खण्ड-7 संख्या-4, 5

138
6/9/12

सत्यमेव जयते

नवम् बिहार विधान-सभा

विधान-सभा (वादवृत्त)

(सप्तम् सत्र)

भाग-02 (कार्यवाही प्रश्नोत्तर रहित)

बुधवार, तिथि-1 जुलाई, 1987 ई०

वृहस्पतिवार, तिथि-2 जुलाई, 1987 ई०

कि मेज पार्लियामेंट्री प्रैक्टिस जब कभी किसी काम रोको प्रस्ताव को अध्यक्ष महोदय अस्वीकृत कर देते हैं तो सदन के माननीय सदस्य, विरोधी दल के नेता, और विरोधी पक्ष के सदस्य उनसे अनुरोध करते हैं कि इस पर पुनर्विचार करें। मेज पार्लियामेंट्री प्रैक्टिस के अनुसार आज मैं पुन: आपसे विचार करने के लिए कहा। अगर अध्यक्ष महोदय तत्क्षण किसी काम रोको प्रस्ताव को स्वीकार नहीं करते हैं और पुनर्विचार करते हैं तो इसकी तिथि के बारे में विचार किया जाता है और तिथि तय की जाती है। इसलिए मैं आग्रह करता हूँ कि इसमें कोई नियमापत्ति नहीं है। इसलिए मैं माननीय सदस्य श्री मुंशी लाल राय से अनुरोध करता हूँ कि अपनी नियमापत्ति वापस ले लें।

मुंशी लाल राय : मैं इसे वापस लेता हूँ।

<u>अत्यावश्यक लोक महत्व के विषय पर ध्यानाकर्षण</u>

(अ) दोषी पदाधिकारी के विरूद्ध उच्चस्तरीय जाँच कराकर उचित कार्रवाई की माँग

श्री राजो सिंह : मुंगेर जिलान्तर्गत शेखपुरा अनुमंडल में वर्ष 1987 की जो परीक्षा बिहार विद्यालय परीक्षा समिति की ओर से आयोजित की गयी थी उसमें से कतिपय केन्द्रों में कदाचार के नाम पर

अनुमंडल पदाधिकारी द्वारा जुर्माने के रूप में छात्रों/अभिभावकों से जो रूपए वसूल किए गए हैं, उनकी पूरी राशि सरकारी खजाने में जमा नहीं की गयी है। वसूल किए गए जुर्माने का रसीद दंडित छात्रों एवं अभिभावकों के पास मौजूद है। टोटल रसीद की राशि और सरकारी खजाने में जमा की गयी टोटल राशि में बहुत अन्तर है। जुर्माने की रकम का गोलमाल किया गया है। सरकार का ध्यान इस ओर आकृष्ट करते हुए अनुरोध है कि उक्त मामले की उच्च स्तरीय जाँच कराकर दोषी पदाधिकारी के विरूद्ध उचित कार्रवाई की जाये।

श्री विन्देश्वरी दूबे : इसका उत्तर कल दिया जायेगा।

(आ) राँची में हो रहे हिंसक घटनाओं की रोक

श्री जनार्दन यादव : राँची में गुण्डों और रंगदारों की समानान्तर सरकार चल रही है। जून के पहले सप्ताह में 13 हत्यायें हुई। दिसम्बर 86 में विमल अग्रवाल, मुमताज, दूधनाथ सिंह और एक स्कूटर चालक की हत्या कर दी गयी। दिन-दहाड़े हत्या, लूट और रंगदारी टैक्स वसूलने की घटनायें हो रही है और प्रशासन तथा पुलिस मूकदर्शी बना हुआ है। केवल वर्ष 86 में 224 हत्यायें तथा सैकड़ों आपराधिक घटनायें हुई है। [illegible]ीय आर[illegible]ीक्षक के जीप पर [illegible]ला चौक के पास गोली चली